

## बस्ती का नाम होगा 'वशषिठ नगर'

### चर्चा में क्यों?

28 मई, 2022 को उत्तर प्रदेश के बस्ती ज़िले की ज़िलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने बताया कि बस्ती का नाम बदलकर महर्षि वशषिठ के नाम पर 'वशषिठ नगर' करने का प्रस्ताव राजसव परषिद को पुनः भेजा गया है।

### प्रमुख बदि

- डीएम सौम्या अग्रवाल ने बताया कि ज़िले के सभी वभिगों से सहमतप्राप्त करने के बाद बस्ती ज़िले का नाम बदलने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।
- उन्होंने बताया कि ज़िले का नाम बदलने पर आने वाले खर्च सभी वभिग मलिकर वहन करेंगे। इसके लयि कोई अतरिकित शासकीय व्यय नहीं होगा। इस आशय की रपौरट लोक नरिमाण वभिग ने भी दी है।
- प्रस्ताव में उल्लेख कयिा गया है कि रामायण काल में बस्ती में भगवान श्रीराम के कुलगुरु महर्षि वशषिठ का आश्रम होने के कारण इसका नाम वशषिठी था। यहाँ स्थति मखौड़ा धाम में राजा दशरथ ने महर्षि वशषिठ की प्रेरणा से ही पुत्रेष्ट यिज्ञ कराया था।
- इससे पहले 16 नवंबर, 2019 को तत्कालीन ज़िलाधिकारी आशुतोष नरिजन की ओर से यह प्रस्ताव भेजा गया। नाम बदलने पर होने वाले व्यय के बारे में परषिद ने जानकारी मांगी तो एक करोड़ का भारी-भरकम खर्च बता दिया गया, जसिसे यह प्रक्रयिा आगे नहीं बढ़ पाई और यह प्रस्ताव टंडे बस्ते में चला गया।
- उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद और फैज़ाबाद का नाम बदले जाने के बाद वर्ष 2019 में बस्ती ज़िले का नाम बदलकर वशषिठ नगर करने की माँग ज़ोर पकड़ने लगी थी। इस बीच मुखयमंतरी योगी आदतियनाथ ने बस्ती में खुले मेडकिल कॉलेज का नाम महर्षि वशषिठ के नाम पर करने की घोषणा की तो इसे और बल मलि गया।
- बस्ती ज़िले का ऐतहासकि, सांस्कृतकि और भौगोलकि महत्त्व है। प्राचीन काल में यह कोसल साम्राज्य का हसिसा हुआ करता था। 1865 में इसे गोरखपुर से अलग करके ज़िला बनाया गया और वर्ष 1997 में इसे मंडल बनाया गया।